शनिवार
27 मई 2023

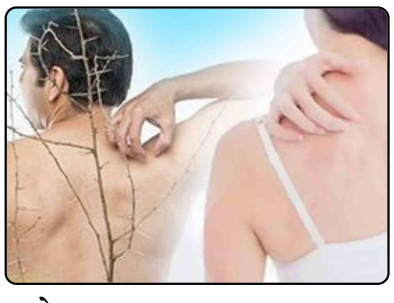

पृष्ठ 4

घमौरियों से राहत पाने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे

पृष्ठ 5

शाहिद कपूर के साथ एक्शन-कॉमेडी में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 115
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

युवावस्था आवेशमय होती है, वह क्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी।

— प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कार खाई में गिरी, दो की मौत

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक कार के खाई में गिर जाने से एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू कर दोनो शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह गजा तहसील के अंतर्गत गजा-खाड़ीमोटर मार्ग पर गजा से दो किमी खाड़ी की ओर एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खाई में गिर गई। बताया जा रहा है कि कार में एक महिला और एक पुरुष सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही चंबा से 108 एंबुलेंस और पुलिस फोर्स मौके के लिए रवाना हुई। लेकिन दोनों की मौके ही मौत हो गई है।

बता दें कि राज्य में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते रोज भिलंगना ब्लाक के सेंदुल-किरेथ-पटुड मोटर मार्ग पर कोठियाडा के पास एक कार सड़क से नीचे गहरी खाई में गिर गई थी। कार में होल्टा निवासी चार महिला व एक पुरुष सवार थे। हादसे में पांचों लोगों की मौत हो गई थी।

वहीं दूसरी ओर वीरवार शाम कुमांऊ मंडल के खटीमा क्षेत्र स्थित शारदा नहर में एक ईनोवा कार अनियंत्रित होकर जा गिरी। दुर्घटना में चालक सहित पांच लोगों की मौके पर हीं मौत हो गयी थी। बीते तीन दिनों में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली यह 12 मौतें बताती है कि राज्य के पहाड़ी जनपदों में लगातार सड़क हादसे हो रहे है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही, दो आबकारी अधिकारी निलम्बित

हमारे संवाददाता

देहरादून। दुकानों के व्यवस्थापन में नाकाम जिला आबकारी अधिकारियों पर कार्यवाही करते हुए उत्तराखण्ड आबकारी विभाग द्वारा जहां दो आबकारी अधिकारियों को निलम्बित कर दिया गया है वहीं एक आबकारी अधिकारी को आबकारी मुख्यालय में संबद्ध करने के आदेश जारी कर दिये गये है।

जानकारी के अनुसार सचिव आबकारी हरी चंद्र सेमवाल ने उत्तरकाशी के जिला आबकारी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी और चमोली जिले के जिला आबकारी अधिकारी राजेंद्र लाल को निलंबित करने के साथ ही अल्मोड़ा जिले के जिला आबकारी अधिकारी रमेश बंगवाल को आबकारी मुख्यालय में संबद्ध करने के आदेश जारी कर दिये गये है।

बता दें कि उत्तराखण्ड में नई आबकारी नीति लागू हुए काफी समय हो गया है। लेकिन अभी तक कई दुकाने ऐसी है जो उठ नहीं पायी है। जिसके चलते सरकार को राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है। ऐसे में सचिव

आबकारी द्वारा यह बड़ी कार्यवाही की गयी है।

सूत्रों का कहना है कि उत्तरकाशी जिला आबकारी अधिकारी जिले के डीएम और अपने विभाग के सीनियर अधिकारियों को ठेके उठान को लेकर गलत जानकारियां दे रहे थे। जिसकी जांच हुई तो उन्हे निलम्बन झेलना पड़ा। वहीं चमोली जिले के जिला आबकारी अधिकारी गलत जानकारी ठेके उठान को लेकर दे रहे थे वही अल्मोड़ा के जिला आबकारी अधिकारी बिना अवकाश स्वीकृत हुए ही अवकाश पर चले गये थे। जिसे गम्भीरता से लेते हुए संचिव आबकारी द्वारा यह कार्यवाही की गयी है।

कर्नाटक में 24 कांग्रेस विधायकों ने मंत्री के रूप में शपथ ली

बेंगलुरु। कर्नाटक में सरकार गठन के एक हफ्ते बाद शनिवार 24 कांग्रेस विधायकों ने मंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इन मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत कांग्रेस के कई बड़े नेता मौजदू रहे। नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उनके झारखंड के समकक्ष हेमंत सोरेन शामिल हुए। नए मंत्रियों के शपथ के बाद कर्नाटक सरकार में 34 मंत्री हो गए हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार सहित 10 मंत्रियों को 20 मई को शपथ दिलाई गई थी। कर्नाटक के नए निर्वाचित विधायक के. वेंकटेश, डॉ. एच. सी. महादेवप्पा, ईश्वर खंड्रे, के. एन. राजन्ना, नए निर्वाचित विधायक दिनेश गुंडू राव, शरणबसप्पा दर्शनापुर, शिवानंद पाटिल, टी. आर. बालप्पा, एस. एस. मल्लिकार्जुन, टी. एस. संगप्पा, डॉ. एस.आर. पाटिल, मंकल वैद्य, एच. के. पाटिल, कृष्णा बायरे गौड़ा, एन. चेलूनारस्वामी ने मंत्री पद की शपथ ली। सूत्रों के मुताबिक मंत्रियों के विभागों की घोषणा आज शाम तक की जा सकती है।

केंद्र को रिकॉर्ड समय में नई संसद बनाने के लिए बधाई देता हूः गुलाम नबी आजाद

नई दिल्ली। देश की नई संसद के उद्घाटन को लेकर सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी पार्टियों ने उद्घाटन समारोह से दूरी बनाने का ऐलान किया है, जबकि एनसीडी घटक समेत 25 दल इसमें शामिल होंगे। इस बीच विपक्षी पार्टियों के मतों से इतर गुलाम नबी आजाद ने बड़ा बयान दिया है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में अगर होता तो नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में जरूर जाता। मैं केंद्र सरकार को रिकॉर्ड समय में नई संसद बनाने के लिए बधाई देता हूं। विपक्ष भी सरकार को बधाई देती, लेकिन

●नया संसद भवन नहीं बनाना चाहिए थाः नीतीश कुमार

वह बहिष्कार कर रहा है। मैं इस विवाद के खिलाफ हूं। राष्ट्रपति भी कौन सा विपक्ष का है? वह भी भाजपा के सांसदों द्वारा चुने गए हैं।

वही दूसरी ओर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अलग ही बयान देते हुए कहा कि नया संसद भवन नहीं बनना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सरकार पुराना इतिहास बदलना चाहती है। मीडिया से बात करते हुए नीतीश कुमार ने कहा, शुरू में भी बात हो रहा था कि ये (संसद भवन) बन रहा है, तो भी हमको अच्छा नहीं लग रहा था। ये तो इतिहास है, आजादी हुई तो जिस चीज की जहां पर शुरूआत हो गई, उसे वहीं पर विकसित कर देना चाहिए।अलग से बनाने का कोई मतलब नहीं है। क्या पुराना इतिहास ही बदल दीजिएगा? हमको अच्छा नहीं लग रहा है कि ये नया संसद भवन बना रहे हैं। पुराना इतिहास बदलना चाहते हैं बस। नया संसद भवन नहीं बनाना चाहिए था। जो पुराना संसद भवन था उसी को सही करना चाहिए था। मैं तो इसके खिलाफ हूं। ये लोग सब इतिहास बदलना चाह रहे हैं। बेकार है वहां जाना।

दून वैली मेल

संपादकीय

नौ साल बेमिसाल या हाल बेहाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अपने कार्यकाल के नौ साल पूरे कर लिए हैं। भाजपा ने इन नौ सालों की उपलब्धियों की एक लंबी चौड़ी लिस्ट जारी की है वहीं मुख्य विपक्षी दल काग्रेस द्वारा सरकार और भाजपा से 9 सालों का जवाब मांगते हुए इन नौ सालों में देश को बदहाल बनाने की बात कही जा रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा की वर्तमान मोदी सरकार के द्वारा कुछ असाधारण कार्य भी किए गए जिसमें कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करने और स्वच्छ भारत मिशन जैसे कार्यक्रमों को सराहा जा सकता है। देश में इन 9 सालों में कनेक्टिविटी सुहढ़ीकरण पर जो काम किया गया है वह बेहतर है और इससे बुनियादी ढांचे में सुधार आया है। धार्मिक विरासत को विकसित करने में भी मोदी सरकार अव्वल रही है विश्वनाथ कॉरिडोर और राम मंदिर निर्माण जैसे कामों को भाजपा सरकार ने बखूबी अंजाम तक पहुंचाया है। लेकिन उसकी उपलब्धियों पर भारी पड़ने वाली कमियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है भले ही केंद्र की भाजपा सरकार देश की अर्थव्यवस्था को पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का दावा कर रही हो लेकिन जिस अर्थव्यवस्था ने गरीबों को और अधिक गरीब बना दिया हो उसे समाज के लिए हितकारी नहीं माना जा सकता है। इन 9 सालों में देश के 30 करोड़ से अधिक वह लोग जो गरीबी की रेखा से ऊपर आ चुके थे उन्हें फिर से गरीबी की भट्टी में झोंक दिया गया है। सरकार द्वारा देश में नई टैक्स नीति यानी जीएसटी के जरिए आम आदमी को निचोड़ कर रख दिया है भले ही सरकार इसे बड़ी उपलब्धि माने बैठी हो कि उसकी जीएसटी से होने वाली आय कुलांचे भर रही है लेकिन खाने पीने की और आम जरूरत की चीजों पर जो टैक्स वसूली हो रही है उससे गरीबों की जिंदगी और बदहाल हो रही है। भाजपा सरकार ने सत्ता में आने से पहले हर साल 10 लाख बेरोजगारों को नौकरी देने का वादा किया था लेकिन उसके पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि उसने इन 9 सालों में कितने लोगों को रोजगार दिया है अब अपने कार्यकाल के दसवें साल में 10 लाख लोगों को रोजगार देने का जो काम रोजगार मेले लगाकर किया जा रहा है वह रोजगार देने का ढोल पीटने जैसा है। यह युवाओं का देश है जैसी बातें करने वाली भाजपा की मोदी सरकार युवाओं को काम देने में विफल साबित हुई है आज बेरोजगारी देश की एक बड़ी समस्या बन गई है। कहा जाता है कि भारत के विकास का रास्ता गांवों से होकर जाता है लेकिन आज ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिक बदहाली किसी से छुपी नहीं है किसानों की आय दोगुना करने का जो वायदा किसानों से किया गया था वह झांसा साबित हो चुका है। 500 रूपये महीने की जो सम्मान निधि किसानों को दी जा रही है वह सिर्फ एक लॉलीपॉप है क्योंकि 500 रूपये में 6 लीटर डीजल भी नहीं आता है। भाजपा सरकार के इन 9 सालों के कार्यकाल में देश को जो सबसे बड़ी क्षति हुई है वह है सामाजिक विभाजन और सांप्रदायिक टकराव को बढ़ावा मिलना। मंदिर मस्जिद और जाति धर्म के नाम पर होने वाली राजनीति ने देश के सांप्रदायिक एकता के ढांचे को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। चुनावी लाभ के लिए धार्मिक कट्टरवादिता को जिस तरह बढ़ावा मिला है वह देश की समरसता को समाप्त कर रहा है जो इस देश की पहचान रहा है। केंद्र की मोदी सरकार को इस पर गौर करने की जरूरत है।

हिमांशी को यूपीएससी, नेहा को 12वीं में अच्छा प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया

संवाददाता

देहरादून। यूपीएससी परीक्षा में हिमांशु सामंत को 348 रैंक हासिल करने व 12वीं में 92.60 प्रतिशत अंक लाने पर नेहा प्रजापति को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शॉल ओढाकर सम्मानित किया।

आज यहां यूपीएससी परीक्षा में देहरादून के विजय कॉलोनी निवासी हिमांशु सामंत को 348 रैंक हासिल करने और बद्रीनाथ कॉलोनी निवासी नेहा प्रजापति ने उत्तराखंड बोर्ड से कक्षा 12वीं में 92.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश के नाम रोशन किया है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दोनों प्रतिभावान विद्यार्थियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि यूपीएससी परीक्षा में मसूरी विधानसभा के अंतर्गत देहरादून निवासी हिमांशु सामवंत ने 348 रैंक हासिल कर देहरादून के साथ ही प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। हिमांशु ने कड़ी मेहनत की बदौलत यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर राज्य का नाम रोशन किया है। वहीं देहरादून निवासी नेहा प्रजापति के पिता मजदूरी का कार्य करते है। नेहा ने 12वीं कक्षा में 92.60 प्रतिशत अंक हासिल कर परिवार वालों के साथ ही प्रदेश का मान भी बढ़ाया है। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आज बेटियों हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उन्होंने प्रतिभावान विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर हिमांशु सामंत के पिता जनक सामंत, मण्डल अध्यक्ष प्रदीप रावत, डॉ बबीता सहोत्रा, मनजीत रावत, पार्षद सतेंद्र नाथ, ओम प्रकाश बवाडी सहित कई अन्य उपस्थित रहे।

कार से मोबाइल फोन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने जाम में फंसी कार से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पाम सिटी निवासी डा. जगदीश रावत ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से घर की तरफ जा रहा था जब वह रेलवे स्टेशन के पास पहुंचा तो जाम में उसकी कार रूक गयी थी तभी किसी ने उसकी कार का शीशा खटखटाया उसने जैसे ही कार का शीशा नीचे किया तो उसकी कार के डेश बोर्ड पर रखा मोबाइल गायब हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

12वीं में 21वां स्थान पाने पर हर्षिता को भाजपा महानगर अध्यक्ष ने दी बधाई

संवाददाता

देहरादून। हर्षिता खजवाल ने 12वीं कक्षा में 93 प्रतिशत अंक लाकर प्रदेश में 21वां स्थान पाने पर भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने उसके घर जाकर बधाई दी। आज यहां अध्यक्ष भाजपा देहरादून सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने महानगर देहरादून में निवासी हर्षिता खजवाल को 12वीं कक्षा में 93 अंको के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं प्रदेश में 21वें स्थान पर आने पर उनके घर जाकर, उनको, उनके पिता अनिल खजवाल उनकी माताजी एवं समस्त बडे बुजुर्गों को अनेकानेक बधाई दी है और हर्षिता की इस बड़ी उपलब्धि पर प्रशंसा भी की है। भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने बधाई देते हुए कहा कि हर्षिता पर हमें गर्व है कि आपने प्रदेश के साथ-साथ अपने देहरादून शहर का नाम भी रोशन किया है। अध्यक्ष ने स्नेहा दून अकादमी जहाँ हर्षिता खजवाल ने अध्ययन किया को भी इस उपलब्धि पर ढेरों बधाई दी है।

चोरी की नगदी के साथ चौकीदार गिरफ्तार

देहरादून (सं)। तीन लाख रूपये चोरी कर फरार हुए चौकीदार को पुलिस ने ढाई लाख की नगदी के साथ गिरफ्तार कर लिया। जिसको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कमलेश उपाध्याय ने बताया कि प्रतीक नगर ध र्मावाला निवासी नितिन सैनी ने 22 मई को सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था कि उसके फार्म हाउस के आफिस से लॉकर तोडकर उसका चौकीदार सूरजपाल निवासी मैनपुरी फरार हो गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आज पुलिस ने सूरजपाल को आईएसबीटी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने फार्म हाउस के आफिस से तीन लाख रूपये चोरी किये थे। जिसके बाद वह ऋषिकेश घुमने चला गया। आज वह आईएसबीटी से बस से दिल्ली जाने के लिए तो पुलिस ने उसको पकड लिया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक एवाग्निर्बहुधा समिद्ध एकः सूर्यो विश्वमनु प्रभूतः।
एकैवोषाः सर्वमिदं वि भात्येकं वा इदं वि बभूव सर्वम्।।
(ऋग्वेद ८-५८-२)

अग्नि एक है परंतु उसके रूप अनेक हैं। अकेला सूर्य सब में प्रविष्ट होकर अनेक तरह से प्रकट होता है। अकेली उषा ही समस्त संसार के लिए प्रकाश लेकर आती है। अकेला परमेश्वर ही समस्त जगत का संचालन कर रहा है।

Agni is one, but its forms are many. The sun alone enters all and appears in many ways. Dawn alone brings light to the whole world. God alone is running the entire universe. (Rig Ved 8-58-2)

जिसके पालन से समाज की रक्षा होती वह धर्म है: आचार्य ममगाईं

कार्यालय संवाददाता

टिहरी। भण्डार गाँव (खाड़ी) में कोठीयाल परिवार के द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा में तीसरे दिन भक्तों सम्बोधित करते हुए ज्योतिषपीठ व्यास पद से अलंकृत प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य शिव प्रसाद ममगांई ने कहा वैदिक काल में धर्म का स्वरूप देव स्तुति परक रहा है। वैदिक देवता प्राकृतिक शक्तियों के स्वामी है तथा अपने ईश्वरी की अनुदान के प्राणियों को उपकृत करते हैं। कभी-कभी कुपित होकर बाढ़ अकाल आदि प्राकृतिक बाधाओं के रूप में प्राणियों को दंडित भी करते हैं। वेद इन देवताओं से ऐश्वर्य समृद्धि की प्राप्ति तथा भय मुक्ति के लिए इनकी स्तुति का निदर्शन करते हैं। इस प्रकार वैदिक धर्म उपासनात्मक धर्म है। उपनिषदों में वेद प्रतिपादित प्रवृत्ति मार्ग यहलौकिक अभ्युदय से निवृत्ति मार्ग मोक्ष की ओर प्रस्थान किया गया और धर्म को आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान किया गया है।

हिंदू धर्म कोश के अनुसार स्मृतियों में धर्म के स्वरूप का साधारण क्रम यह है कि पहले साधारण धर्म का वर्णन किया गया है। जिसका जगत के सभी प्राणियों द्वारा अनुपालन करना उचित है। जिसके पालन से समाज की रक्षा होती है। यह धर्म आस्तिक और नास्तिक दोनों पक्षों को मान्य होता है। फिर समाज की स्थिति के लिए जीवन के विविध व्यापारों और अव्यवस्थाओं वर्णों आश्रमों के कर्तव्यों का धर्म के रूप में निर्देश किया जाता है। इसको ही विशिष्ट धर्म कहते हैं जिससे मनुष्य संयमी होजाता है संयमी जीवन ही संस्कारों को सम्पन्न करता है और संस्कारों का फल होता है शरीर और आत्मा का उत्तरोत्तर विकास। धर्म सन्मार्ग का प्रथम उपदेश है अभ्युदय लिए नियम है, संयम उस आदेश का नियम पालन है संस्कार उन संयमों का सामूहिक फल है और किसी देश काल और और नियमित में विशेष प्रकार को उन्नत अवस्था में प्रवेश करने का द्वार है।

इस अवसर पर भवानी दत्त कोठियाल राजेन्द्र प्रेमदत्त चंद्रमणि राकेश संजय प्रमोद नौटियाल हितेश जोशी भगवती प्रसाद भट्ट बुद्धि प्रसाद भट्ट बालकिशन भट्ट वीरेंद्र उनियाल दिनेश नौटियाल अनिता नौटियाल सुनीता जोशी राजेश्वरी देवी बबली कोठियाल श्यामा देवी बीना गुड्डी देवी श्रेया सृष्टि सुशीला देवी आदि भक्त गण भारी संख्या में उपस्थित थे ।।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद में अवैध नशे की तस्करी पर पूर्ण रुप से लगाम कसने में पुलिस कप्तान अर्पण यदुवंशी लगातार सफल हो रहे हैं, अवैध नशे का कारोबार करने वालों के प्रति उनके द्वारा जंग छेडी हुई है। नशामुक्त देवभूमि अभियान के क्रम में गत दिवस रात्रि में प्रशान्त कुमार पुलिस उपाधीक्षक धरासू के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक धरासू कमल कुमार लुण्ठी के नेतृत्व में धरासू पुलिस टीम द्वारा चौकिंग अभियान चलाते हुये दैवीसौड़ पुल चिन्यालीसौड से रॉबिन पुत्र विजयपाल शाह निवासी धरासू को 3.98 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में युवक द्वारा बताया गया कि वह स्मैक को देहरादून से लाया था, जिसका वह खुद भी प्रयोग करता है तथा अन्य को भी बेचता है। अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

अच्छे ब्याज के लालच में गंवाये 40 लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। ब्याज का लालच देकर चालीस लाख रूपये लेकर वापस ना करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला निवासी मीन बहादुर ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया रामदास पुत्र जगदीश दास निवासी गोविन्द पुरी लाडवा कुरूक्षेत्र ने उससे व दिनेश सिंह रावत, गुरमीत सिंह पुत्र संतोक सिंह, अबली देवी पत्नी भूपेन्द्र सिंह, प्रिंस सोनदी पुत्र अविनाश सोनदी, विक्रम सिंह पुत्र विरेन्द्र सिंह, विनीता पंवार पत्नी अरविन्द पंवार, प्रवीन सिंह पुत्र गोविन्द सिंह आदि निवासी देहरादून से 40 लाख रूपये ट्रासफर किये जिसमे से 28 लाख रूपये आनलाईन ट्रासफर है और बकाया राशि नगद मे दी है। रामदास ने प्रोपटी के काम के लिए उनसे पैसे लिये है और उनको उनके पैसे का अच्छा ब्याज देने की बात की लेकिन एक बार भी ब्याज दिया और न ही पैसा वापस दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

फिर भी तलाशिये वहम की दवा

पूरन सरमा

यदि वहम की कोई दवा मिलती होती तो मैं उसका सबसे बड़ा खरीददार होता। वहम में मेरा कोई मुकाबला नहीं। बात-बात में वहम। यह मैंने अच्छी तरह मालूम कर लिया है कि वहम की दवा भारत में तो है नहीं। विदेशों में कहीं मिलती हो तो मुझे जानकारी नहीं है। कई बार तो वैज्ञानिकों को लानत देने की इच्छा होती है कि वे एक मामूली रोग 'वहम' की आज तक कोई दवा नहीं खोज पाये। विकास की चकाचौंध को हम बढ़ाते तो गये, परन्तु वहमियों का मर्ज दिन-ब-दिन हरा होता रहा। कई बार तो इच्छा होती है कि वहमियों की यूनियन बनाऊं और उसका चेयरमैन बनकर मैं इनके हितों के लिए कार्य करूं। दुनिया के कुल वहमियों में से करीब पचास प्रतिशत वहमी हमारे देश में पाये जाते हैं। वैसे बुजुर्गों का कहना है कि वहम की कोई दवा नहीं होती। परन्तु मेरा कहना है कि वहम की दवा होनी चाहिए। यदि नहीं है तो उसे खोजा जाना चाहिए क्योंकि वहम बाकायदा एक रोग है और हर रोग की एक दवा हुआ करती है। वहम भी छूत रोगों में आता है। अत: ऐसे रोगी से बचने का प्रयास करना चाहिए जो इसका शिकार हो। अच्छा-भला-चंगा आदमी भी एक क्षण में इसकी चपेट में आ सकता है। वहम के शिकार लोगों को उजड़ते तथा बरबाद तक होते देखा गया है। उन्होंने अपना जीवन तो नर्क बनाया ही है, साथ ही परिवारजनों तथा परिजनों को भी इस महामारी की चपेट में लिया है। आदमी के अन्य कोई बड़ा रोग हो जाये परन्तु वहम नहीं होना चाहिये। शंका और संदेह इस रोग के दूसरे नाम हैं। जरा-सी शंका हो जाये, उसका जब तक समाधान नहीं हो, वह बेचैन किये रहती है। पिछले दिनों मेरे साथ एक घटना घटी। मैंने बाजार से एक दिन कुछ नाश्ता लाकर किया तथा बाद में वहम हो गया कि उसमें तो कुछ विषैला पदार्थ था। फिर क्या था, रोग के लक्षण प्रकट होने लगे। जी घबराने लगा, मितली आने लगी और बेवजह बाहर जाने की इच्छा होने लगी। सारे शरीर में गिरावट आ गई तथा पूरा शरीर पसीने से भीग गया। भागा-भागा डॉक्टर के पास गया तो डॉक्टर ने सब कुछ सुनकर-देखकर कहा-'तुम तो ठीक हो, तुम्हें वहम हो गया है तथा वहम की दवा मेरे पास तो है नहीं!'

मैंने कहा-'वहम नहीं, मुझे पसीना आ रहा है और लग रहा है कि कुछ-न-कुछ होने वाला है।' डॉक्टर महाशय बोले-'मेडिकल में एडवांस कुछ नहीं होता। पहले कुछ हो जाने दो, फिर निदान करेंगे। यह सब 'वहम बनाम फियर' की वजह से है। तुम जाकर आराम करो।'

गर्मियों में खूब खाएं नारियल

नारियल एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो हमें सारे मौसम में बड़ी आसानी से मिल जाता है। वैसे तो पूरे भारत में इसका बड़े चाव से सेवन किया जाता है लेकिन दक्षिण भारत में इसका विशेष रूप से उपयोग होता है। कच्चे नारियल की चटनी से लेकर कई कई प्रकार के पकवान में भी नारियल का इस्तेमाल होता है। वहीं केवल नारियल खाने से भी कई प्रकार का फायदा हमारी सेहत को पहुंचता है। यह कई गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाने के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है। आइए जानते ही नारियल खाने से हमें क्या-क्या लाभ हो सकते हैं।

थायरॉइड फंक्शन को ठीक करें

थायरॉइड फंक्शन अगर ठीक से काम नहीं करता है तो हमारे गले में कई प्रकार के रोग भी हो सकते हैं। कुछ लोगों को थायरॉइडरोग भी हो जाता है जो थायरॉइड फंक्शन के ठीक तरीके से काम ना करने के कारण भी हो सकता है। जबकि वैज्ञानिकों ने अध्ययन के पश्चात यह पाया है कि नारियल का सेवन करने वाले लोगों में थायरॉइड फंक्शन ठीक तरीके से काम करता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए आप भी नारियल का सेवन कर सकते हैं।

दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ाए

दिमाग की कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए भी नारियल काफी फायदेमंद साबित होगा। ऐसा इसलिए भी मुमकिन हो सकता है क्योंकि नारियल में ब्रेन बूस्टिंग गुण पाया जाता है। इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व आपकी ब्रेन सेल्स को एक्टिवेट करते हैं ताकि आपके दिमाग की कार्य क्षमता बढ़ सके। इसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है जिससे वह अच्छी तरीके से काम करने लगता है।

वजन नियंत्रण करने के लिए

कुछ लोग मोटापे की समस्या से बहुत ज्यादा परेशान होते हैं और उसके लिए वह तरह-तरह की टिप्स को फॉलो करते हैं। इन सबसे अलग अगर खान-पान पर ही विशेष ध्यान दिया जाए तो मोटापे की समस्या से बचने में काफी मदद मिल सकती है। वैज्ञानिक रिपोर्ट की मानें तो नारियल का सेवन करने के कारण वजन को नियंत्रित करने में काफी मदद मिलती है। इसलिए वजन को नियंत्रित करने के लिए आप भी नारियल को अपनी डायट में जरूर शामिल करें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने के कारण हम कई प्रकार की बीमारियों की चपेट में आने से बचे रहते हैं। एक मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता हमारे शरीर में एंटीबॉडी इसको प्रवेश करने से रोकती है जिसके कारण हमें कई प्रकार के संक्रमण का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। नेशनल सेंटर फॉर बायो टेक्नोलॉजी के अनुसार,नारियल का सेवन करने वाले लोगों में इम्यून सिस्टम के मजबूत होने का सकारात्मक असर देखने को मिल सकता है।

हृदय को स्वस्थ रखे

नारियल का सेवन करने वाले लोगों में हृदय रोगों का खतरा भी कई गुना तक कम हो जाता है। इसके वैज्ञानिक कारणों की बात करें तो नारियल में पाया जाता है। यह हृदय को सुरक्षा प्रदान करने का एक विशेष गुण होता है जो खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। इसलिए जो लोग हृदय रोगों की चपेट में आने से बच के रहना चाहते हैं, वे भी नारियल को खाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

पाचन शक्ति को बढ़ाए

कहते हैं कि हमारे शरीर में कई बीमारियों की वजह पेट होता है। इसका मतलब अगर आपका पेट स्वस्थ नहीं है तो आप कई प्रकार की बीमारियां से जूझ सकते हैं। इसलिए सबसे जरूरी है कि अपने पेट की पाचन क्रिया को दुरुस्त रखें। पाचन क्रिया को मजबूत बनाने के लिए नारियल में पाया जाता है। इसलिए नारियल का सेवन आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए भी काफी काम आ सकता है। आप चाहें तो ताजे नारियल को स्मूदी के रूप में बनाकर भी पी सकते हैं।

अगली फिल्म के लिए थलापति विजय ने वेंकट प्रभु संग मिलाया हाथ

इस वर्ष जनवरी माह में वारिसु में नजर आए थलापति विजय अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चाओं में आ गए हैं। सिने गलियारों में बहती हवाओं ने कहा है कि थलापति विजय ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक वेंकट प्रभु संग हाथ मिलाया है। जब से यह समाचार गलियारों में फैला है उद्योग को हैरानी हो रही है। कहा जा रहा है एक असफल निर्देशक के साथ क्यूंकर विजय थलापति काम करने जा रहे हैं। गौरतलब है कि निर्देशक वेंकट प्रभु की हालिया प्रदर्शित फिल्म कस्टडी बॉक्स ऑफिस पर असफल करार हो गई है। कहा जा रहा है कि थलापति विजय को वेंकट प्रभु का आइडिया पसन्द आया है और उन्होंने उनकी फिल्म को हाँ कर दी है। इससे पहले विजय की 68वीं फिल्म के लिए निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी और निर्देशक एटली की अगली फिल्म के बारे में चर्चा चल रही थी। अचानक से वेंकट प्रभु बीच में कैसे आ गए इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

हालांकि इन दिनों थलापति विजय निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म लियो को पूरा करने में लगे हुए हैं। वारिसु के जरिये हिन्दी भाषी दर्शकों को अपने साथ जोडने में सफल रहे थलापति की अब सभी फिल्मों को पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित किए जाने की चर्चाएँ हैं। कहा जा रहा है कि लियो को कनगराज तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड और हिन्दी में प्रदर्शित करेंगे। कनगराज की पिछली प्रदर्शित फिल्म विक्रम भी पैन इंडिया प्रदर्शित हुई थी।

मीडिया समाचारों के अनुसार थलापति विजय ने अपनी अगली फिल्म के लिए 200 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है। थलापति विजय ने अपनी अगली फिल्म के लिए साउथ इंडस्ट्री के पॉपुलर डायरेक्टर वेंकट प्रभु के साथ हाथ मिलाया है। बताया जा रहा है कि थलापति विजय को ये रकम एजीएस एंटरटेनमेंट द्वारा दी जाएगी। हालांकि, थलापति विजय को 200 करोड़ रुपये की फीस वाली बात की पुष्टि नहीं हुई है। इसको लेकर मेकर्स या अभिनेता की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। बताते चलें कि एजीएस एंटरटेनमेंट वही कंपनी है जिसने साल 2019 में रिलीज हुई थलापति विजय की फिल्म बिगिल को प्रोड्यूस किया था।

थलापति विजय के वर्क फ्रंट की बात करे तो पिछली बार जनवरी, 2023 में रिलीज हुई फिल्म वारिसु में नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। अब थलापति विजय डायरेक्टर लोकेश कनगराज की फिल्म लियो में काम करते दिखाई देंगे। फिल्म लियो में थलापति विजय के अलावा संजय दत्त और तृषा कृष्णन भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म लियो को लेकर बताया जा रहा है कि इसमें थलापति विजय के पिता की भूमिका में संजय दत्त नजर आएंगे। ये फिल्म गैंगस्टर थ्रिलर बताई जा रही है।

नए फुटवियर से पैरों में हो गए हैं छाले ? घरेलू नुस्खों से पाए राहत

नए फुटवियर पहनने, अधिक चलने या फिर गलत साइज के जूते पहनने के कारण पैरों में छाले हो सकते हैं और इस स्थिति को शू बाइट के नाम से जाना जाता है। यह एक कष्टदायक समस्या है क्योंकि इसकी वजह से प्रभावित हिस्से पर असहनीय दर्द और सूजन के साथ-साथ चलने में परेशानी होने लगती है। आइए आज हम आपको 5 ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जो इस समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं।

बर्फ का करें इस्तेमाल : पैरों के छालों के इलाज के लिए बर्फ एक बेहतरीन घरेलू नुस्खा है। यह प्रभावित क्षेत्र के आसपास की सूजन को कम करती है और दर्द को कम करने में भी मदद करती है। आपको बस इतना करना है कि कपड़े का एक साफ टुकड़ा लें और उस पर बर्फ के टुकड़े को लपेटें, फिर उसे थोड़ी देर के लिए प्रभावित हिस्से पर और उसके आसपास धीरे से लगाएं। आप इस उपाय को कई बार दोहरा सकते हैं।

एलोवेरा आएगा काम : एलोवेरा एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है, जो पैरों के छालों को ठीक करने के साथ ही त्वचा को आराम देने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए ताजा एलोवेरा जेल को प्रभावित जगह पर लगाएं।

टूथपेस्ट भी है प्रभावी : सिर्फ आपके मौखिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, टूथपेस्ट का इस्तेमाल पैरों के छालों के इलाज के लिए भी किया जा सकता है। लाभ के लिए टूथपेस्ट का थोड़ा-सा हिस्सा निकाल लें और इसे प्रभावित जगह पर लगाएं। इसे कुछ देर के लिए लगा रहने दें, फिर हल्के गीले कपड़े से इसे पोंछ लें। इसमें बेकिंग सोडा, मेन्थॉल और सोडियम पेरोक्साइड होते हैं, जो छालों को जल्दी ठीक कर सकते हैं।

विच हेजल है कारगर : विच हेजल में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं और इसमें टैनिन की अच्छी मात्रा होती है, जो पैरों में पड़े छालों को ठीक करने मे मदद करता है। इसके लिए आप विच हेजल की छाल के टुकड़ों को पानी में भिगोएं, फिर इस पानी में सूती कपड़े या रूई को भिगोकर इससे छाले से प्रभावित जगह को पोछें। दिन में 2 से 3 बार ऐसा करने से पैरों के छाले ठीक हो सकते हैं।

ग्रीन टी से मिलेगी राहत : ग्रीन टी में एंटी-ऑक्सीडेंट के साथ-साथ एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पैरों के छालों के दर्द को कम करने और सूजन से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए गर्म पानी में थोड़ा-सा बेकिंग सोड़ा मिलाएं, फिर इसमें एक ग्रीन टी बैग डुबोएं। इसके बाद टी बैग को ठंडा करने के लिए फ्रिज में रख दें। अब इस बैग को 15-2० मिनट तक छाले से प्रभावित जगह पर लगाएं। (आरएनएस)

डायरेक्ट नल के पानी से कभी न धोएं चेहरा!

पर्सनल हाइजीन पर ध्यान देना हर किसी के लिए उतना ही जरूरी है, जितना की जीने के लिए भोजन करना। चेहरा धोने से लेकर नहाने तक हम कई तरह की व्यक्तिगत सफाई पर ध्यान देते हैं। हालांकि एक गलती है, जो अधिकतर लोग अक्सर करते नजर आते हैं और वो गलती नल के पानी से चेहरा धोने की है। आपको यह सुनने में अटपटा जरूर लग रहा होगा, लेकिन नल के पानी से चेहरा धोने से आपकी स्किन खराब हो सकती है। एक स्किन एक्सपर्ट का कहना है कि चेहरा धोने के लिए भी अच्छे और स्वच्छ पानी की जरूरत होती है। कई लोग चेहरा धोने के लिए डायरेक्ट नल के पानी का इस्तेमाल करते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि नल के कठोर पानी में मौजूद मिनरल्स आपके स्किन पोर्स को बंद करने का कारण बन सकते हैं और स्किन को ड्राई बना सकते हैं, जिसकी वजह से पिंपल्स, एक्जिमा और सोरायसिस हो सकता है।

स्किन के लिए अच्छा नहीं होता अनफिल्टर्ड वॉटर : नल से आने वाले डायरेक्ट पानी का इस्तेमाल आप बर्तन साफ करने और रोजाना के घरेलू काम में कर सकते हैं। इस पानी में आयरन, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर और कैल्शियम जैसे तत्व होते हैं, जो शरीर को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। हार्ड वॉटर में मैग्नीशियम और कैल्शियम की मात्रा ज्यादा होती है। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि यह पानी फिर भी स्किन के लिए अच्छा नहीं है। क्योंकि ये स्किन से नेचुरल ऑयल को छीन सकता है और उसे ड्राई बना सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि जब यह पानी क्लींजर या फिर साबुन के साथ मिलता है तो ये स्किन पोर्स को बंद कर देता है। सेंसिटिव स्किन वाले लोगों के लिए तो नल का पानी सबसे ज्यादा खतरनाक है। अनफिल्टर्ड वॉटर स्किन माइक्रोबायोटा के बैलेंस को बाधित करता है, जो एक्जिमा, पिंपल्स और डर्मेटाइटिस को बढ़ा सकता है। अनफिल्टर्ड वॉटर से बालों को भी बुरी तरह से नुकसान पहुंच सकता है। यही वजह है कि चेहरे और बालों को धोने के लिए हमेशा फिल्टर्ड पानी का चुनाव करना चाहिए।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

घमौरियों से राहत पाने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे

घमौरियों की समस्या तब होती है जब गर्मी के कारण अत्यधिक पसीना आता है, जिससे पसीने की ग्रंथियां बंद हो जाती हैं और पसीना त्वचा में फंस जाता है। चिकित्सकीय भाषा में इस स्थिति को मिलिअरिया कहते हैं। इस स्थिति से सभी उम्र के लोग प्रभावित होते हैं। इसके कारण त्वचा पर छोटे-छोटे लाल रंग के फुंसी जैसे दाने निकल जाते हैं, जिनसे चुभन होती है। आइए आज हम आपको घमौरियों से राहत दिलाने वाले 5 घरेलू नुस्खे बताते हैं।

एलोवेरा का करें इस्तेमाल

एलोवेरा के एंटी-बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण घमौरियों से राहत दिलाने में सहायक हैं। यह सूजन को कम के साथ ही लालिमा को भी शांत करता है। एलोवेरा में हाइड्रेटिंग यौगिक भी होते हैं, जो त्वचा को डिहाइड्रेट होने से भी बचाते हैं। लाभ के लिए एलोवेरा जेल को प्रभावित हिस्से पर लगाएं और इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें, फिर पानी से त्वचा को अच्छी तरह धो लें। एलोवेरा के ये 5 फेस पैक त्वचा के लिए फायदेमंद हैं।

ओटमील स्नान करें

ओटमील त्वचा के लिए एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर है और बंद पसीने की ग्रंथियों को ठीक करने में मदद कर सकता है। यह घमौरियों और उनके कारण होने वाली खुजली के साथ-साथ सूजी त्वचा से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए ओटमील स्नान करें और इसे प्रभावित हिस्से पर धीरे से रगड़ें। अच्छे परिणामों के लिए हफ्ते में ऐसा 3 बार करें।

बेसन का लेप लगाएं

बेसन त्वचा के लिए एक उत्तम क्लींजर है। यह रोमछिद्रों को बंद करने वाली गंदगी को साफ करने में मदद करता है और मृत त्वचा कोशिकाओं को एक्सफोलिएट करता है। यह घमौरियों की खुजली और चुभन से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए प्रभावित हिस्से पर बेसन को पानी में मिलाकर लगाएं। 15 मिनट के बाद त्वचा को ठंडे पानी से धो लें। बेदाग औप चमकदार त्वचा के लिए बेसन के ये फेस पैक लगाएं।

मुल्तानी मिट्टी भी है प्रभावी

मुल्तानी मिट्टी बच्चों के साथ-साथ वयस्कों में घमौरियों को शांत करने में मदद करती है क्योंकि इसमें एनाल्जेसिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। लाभ के लिए मुल्तानी मिट्टी का गुलाब जल के साथ पेस्ट बनाएं और इसे प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें, फिर त्वचा को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। प्रभावी परिणामों के लिए इस पेस्ट को रोजाना लगाएं।

तुलसी से मिलेगी राहत

तुलसी घमौरियों की चुभन, लालिमा और सूजन को कम करने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण प्रदर्शित करती है। लाभ के लिए तुलसी के कुछ पत्तों को पीसकर इसे शहद के साथ मिलाएं और घमौरियों पर लगाएं। इसके अतिरिक्त आप आलू के इस्तेमाल से भी घमौरियों से राहत पा सकते हैं। लाभ के लिए घमौरियों से प्रभावित हिस्से पर आलू का रस लगाएं, फिर 1०-15 मिनट के बाद त्वचा को ठंडे पानी से धो लें।

शब्द सामर्थ्य -029

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

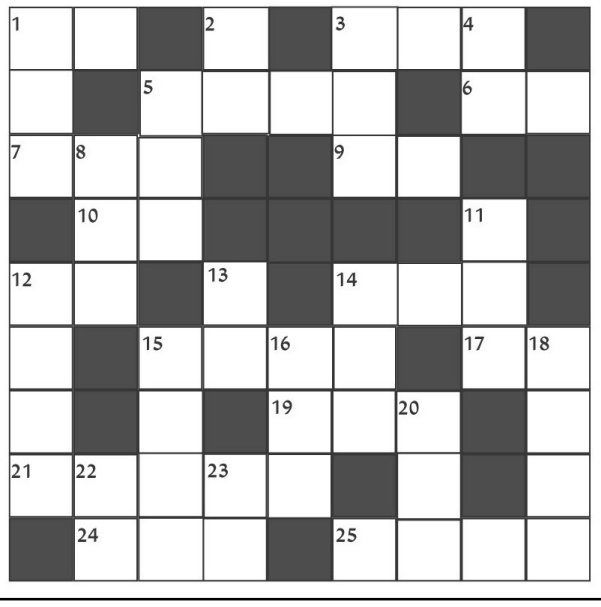

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 28 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

घबराहट से बचने के लिए नायरा ने नशे का सहारा लिया!

नायरा बनर्जी तेलुगू, तमिल, मलयालम और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं. उनके करियर की शुरुआत साउथ फिल्म इंडस्ट्री से हुई थी लेकिन हिंदी फिल्मों में भी उनका नाम चर्चा में रहा है. खासतौर पर साल 2016 में आई वन नाइट स्टैण्ड में उनके काम ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. दरअसल नायरा ने इस फिल्म में काफी बोल्ड सीन दिए थे. इन सीन्स की वजह से उनका नाम चर्चा में रहा था...हालांकि ये सीन शूट करना उनके लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था. नायरा ने जब बोल्ड सीन शूट करने से जुड़े अपने एक्सपीरियंस शेयर किए तो लोग हैरान रह गए कि उन्हें स्क्रीन पर कंफर्टेबल दिखने के लिए ये सब करना पड़ा.

नायारा ने बताया कि फिल्म में उन्हें इंटिमेट सीन करने थे. सीन सुनते वक्त तो उन्हें सब कुछ नॉर्मल ही लगा लेकिन जब शूटिंग की बारी आई तो वे नर्वस हो गईं. उन्हें पूरी क्रू के सामने बोल्ड सीन देने और वो एक्सप्रेशन और मूड लाने में दिक्कत आने लगी. नायरा अपनी नर्वसनेस से परेशान होने लगीं. उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि कौनसी तरकीब अपनाई जाए कि सीन भी ओके हो जाए और वह कंफर्टेबल भी रहें. काफी दिमाग चलाने के बाद उन्हें शराब की याद आई.

जी हां सुनने में अटपटा जरूर लग रहा होगा लेकिन नायरा ने वाकई इंटिमेट सीन्स के दौरान नर्वस ना दिखने के लिए शराब का सहारा लिया था. उन्होंने बताया कि इन सीन की शूटिंग से पहले वह शराब पीती थीं और उसी के नशे में शूटिंग शुरू करती थीं. इसके बाद उनके दिमाग से वो खयाल निकल जाते थे जो उन्हें पहले आते थे. वह सेट पर मौजूद लोगों की वजह से तो अनकंफर्टेबल होती ही थीं उन्हें यह भी डर रहता था कि मां उन्हें घर से ना निकाल दें.

इस घबराहट से बचने के लिए नायरा ने नशे का सहारा लिया और शूटिंग पूरी होने के बाद क्रू मेंबर उनका नशा उतारने के लिए नींबू पानी दिया करते थे. जरा सोचिए क्या सीन है....शूटिंग के लिए एक्ट्रेस टल्ली और फिर होश में आने के लिए नींबू पानी का डोज.

ओटीटी सीरीज डांसिंग ऑन द ग्रेव शकीरा खलीली मर्डर केस की कहानी करेगी बयां

आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज डांसिंग ऑन द ग्रेव रियल एस्टेट डेवलपर शकीरा खलीली की हत्या के रहस्य से पर्दा उठाएगी। सत्य घटना पर आधारित क्राइम सीरीज मैसूर राजघराने के पूर्व दीवान की पोती शकीरा खलीली के अचानक गायब होने और हत्या की पड़ताल करती है। हत्या उसके अपने पति ने की थी। उसने उसके अवशेषों को अपने ही घर में दफन कर दिया था और कानून को अपने बयानों से करीब तीन साल तक गुमराह करके रखा। मई 1994 में, कर्नाटक की पुलिस ने शकीरा के शरीर के अवशेषों को उसके अपने घर से बरामद किया। रिकॉर्ड्स में कहा गया है कि जब उसे दफनाया गया था तब वह जीवित थी क्योंकि उसके हाथ ताबूत के गद्दे को जकड़े हुए पाए गए थे, जिसमें उसे दफनाया गया था। चार-भाग वाली डॉक्युमेंट्री सीरीज घटनाओं में प्रमुख कर्मियों के साथ-साथ कुछ लोगों के खास इंटरव्यू के माध्यम से रहस्यमय हत्या की जांच करती है। इंडिया टुडे ओरिजिनल प्रोडक्शन द्वारा निर्मित, पैट्रिक ग्राहम द्वारा लिखित और निर्देशित, और कनिष्क सिंह देव द्वारा सह-लिखित डांसिंग ऑन द ग्रेव का प्रीमियर भारत में 21 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा।

तेरे इश्क में घायल में नवीना बोले ने लापरवाह महिला की निभाई भूमिका

एक्ट्रेस नवीना बोले का मानना है कि तेरे इश्क में घायल का कॉन्सेप्ट अलग और पर्दे पर लाना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में भी बात की और कहा कि यह एक व्यक्ति के रूप में उससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, यह प्यार कुछ ऐसा है जो शायद आपको चोट पहुंचाएगा। ऐसा कुछ करने का प्रयास करना निमार्ताओं के लिए सराहनीय है। शूट करना और अमल करना एक मुश्किल काम है। जिस तरह से वे शॉट लेते हैं वह भारतीय टीवी के काम करने के तरीके से अलग है। शो में नवीना एक बेपरवाह महिला का किरदार निभा रही हैं जो एक जगह नहीं रहती है। वह जिप्सी की तरह है जो नई जगहों पर जाती रहती है। अब वह बहुत लंबे समय के बाद अपने बच्चों के पास घर लौटी है और उन्हें नहीं पता कि वे उस पर कैसी प्रतिक्रिया दें। उनका बेटा उसे नौकरी दिलाने की कोशिश कर रहा है और वह मूल रूप से एक स्वतंत्र है। मेरा किरदार वैम्पायर डायरीज में केली डोनवन की कहानी से प्रेरित था। इसलिए मैंने शो के लिए तैयारी करते समय यूट्यूब पर उनके कुछ सीन देखे। उन्होंने कहा, वह अपने किरदार से ज्यादा रिलेट नहीं करती हैं और इससे रोल निभाने प्ले में बहुत मजा आता है। वास्तविक जीवन में, मैं बहुत ज़िम्मेदार और परिवार से बंधा हुई हूं और मुझे अपने परिवार और उन लोगों की परवाह है जिन्हें मैं प्यार करती हूं। मैं उतना बेफिक्र और बिंदास नहीं हूं, इसलिए मैं जो हूं उससे बहुत अलग किरदार निभा रही हूं, जो मजेदार है। नवीना को मिले जब हम तुम में दीया, जीनी और जूजू में प्रिया और इश्कबाज में टिया का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। यह पूछे जाने पर कि कौन सी भूमिका उनके दिल के सबसे करीब है, उन्होंने जवाब दिया: ऐसी और भी भूमिकाएं हैं जिन्हें पसंद किया गया, लेकिन मुझे लगता है कि जीनी और जू में प्रिया खास थी। मैं अपने किरदार से संबंधित थी।

शाहिद कपूर के साथ एक्शन-कॉमेडी में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना पुष्पा- द राइज की सफलता के बाद से काफी लोकप्रिय हो गई हैं और हिंदी फिल्म निर्माताओं के लिए पहली पसंद बनती जा रही हैं। अभिनेत्री ने पिछले साल ही अमिताभ बच्चन के साथ गुडबाय से बॉलीवुड में कदम रखा था और अब उनके पास कई सारी हिंदी फिल्में हैं। अब हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका शाहिद कपूर के साथ एक एक्शन-कॉमेडी में नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन अनीस बज्मी करेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, अनीस के निर्देशन में बन यह फिल्म एकता कपूर और दिल राजू द्वारा निर्मित होगी, जिसमें पहली बार रश्मिका और शाहिद की जोड़ी बनने जा रही है। इस फिल्म के बारे में सूत्र ने बताया कि रश्मिका के साथ एकता और राजू दोनों गुडबाय और वरिसु में पहले काम कर चुके हैं। ऐसे में और उनका मानना है कि वह स्वाभाविक रूप से इस फिल्म के लिए सबसे सही साबित होंगी।

दोहरी भूमिका निभाएंगे शाहिद?

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस एक्शन-कॉमेडी में शाहिद दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म की कहानी काफी मजेदार होगी और इसमें भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा। साथ ही अभिनेता की दोहरी भूमिका इसे और भी मजेदार बना देगी, जिसको लेकर प्रशंसक भी उत्सुक हैं। कहा जा रहा है कि अनीस ने स्क्रिप्ट लगभग पूरी कर ली है और अगले महीने प्री-प्रोडक्शन शुरू होगा। फिल्म अगस्त में फ्लोर पर आ सकती है।

पहले भी शाहिद के साथ काम करने की आई थीं खबरें

रश्मिका और शाहिद के साथ में काम करने की खबरें 2019 में भी आई थीं। उस दौरान कहा जा रहा था कि वह अभिनेता के साथ जर्सी के हिंदी रीमेक में नजर आ सकती हैं। हालांकि, रश्मिका की जगह इस फिल्म में मृणाल ठाकुर की शाहिद के साथ जोड़ी बनी थी। अब शाहिद और रश्मिका के पहली बार पर्दे पर साथ आने की खबरें सामने आने के बाद से ही प्रशंसक काफी खुश हो गए हैं।

इन बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा हैं रश्मिका

रश्मिका को पिछले कुछ महीनों में कई बॉलीवुड फिल्मों की पेशकश की गई है। वह गुडबाय के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मिशन मजनू में दिखाई दी थीं और अब वह रणबीर कपूर के साथ संदीप रेड्डी वंगा की एनिमल में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा रश्मिका दिनेश विजान के ऐतिहासिक महाकाव्य छावा का भी हिस्सा हो सकती हैं, जिसमें वह विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। हालांकि, अभी इस फिल्म को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

शाहिद की आगामी फिल्में

शाहिद रॉय कपूर फिल्म्स के साथ रोशन एंड्रयूज की फिल्म में पूजा हेगड़े के साथ नजर आने वाले हैं। यह मलयालम थ्रिलर फिल्म मुंबई पुलिस का हिंदी रीमेक है। इसके बाद शाहिद के पास अली अब्बास जफर की ब्लडी डैडी है, जो 9 जून को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा वह कृति सैनन के साथ दिनेश विजान की एक अनटाइटल्ड फिल्म का हिस्सा हैं, जिसका पोस्टर जारी हो चुका है। यह फिल्म इस साल अक्टूबर में रिलीज होगी। (आरएनएस)

उर्वशी रौतेला पहली बार धर्मा प्रोडक्शंस संग करेंगी काम

उर्वशी रौतेला बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने नए प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी साझा की है, जिसके बाद से प्रशंसक काफी उत्सुक हो गए हैं। दरअसल, उर्वशी जल्द ही करण जौहर के साथ पहली बार काम करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इस नई शुरुआत के बारे में प्रशंसकों को बताया है।

उर्वशी ने इंस्टाग्राम पर फूलों के गुलदस्ते की तस्वीर साझा करते हुए बताया है कि वह करण के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ कुछ बहुत ही रोमांचक चीज की शूटिंग कर रही हैं। यह अभिनेत्री का धर्मा प्रोडक्शंस के साथ पहला सहयोग है और अभी इसके बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, अभिनेत्री की इस पोस्ट के बाद से प्रशंसक फिल्म के बारे में अधिक जानकारी सामने आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

प्रशंसक दे रहे अभिनेत्री को बधाई

उर्वशी को धर्मा के साथ काम करने की जानकारी मिलने के बाद से ही उनके पोस्ट पर प्रशंसक उन्हें बधाई दे रहे हैं। एक ने लिखा, आपके लिए बहुत खुश हूं, बहुत-बहुत बधाई तो दूसरे ने लिखा, आपको आने वाली सभी फिल्मों के लिए शुभकामनाएं, आगे भी आपको ऐसे ही सफलता मिलती रहे। एक अन्य ने लिखा, आप इस बात का अंदाजा भी नहीं लगा सकती कि हम आपके लिए कितने खुश हैं। अब इंतजार नहीं होता।

इन फिल्मों में नजर आएंगी उर्वशी

उर्वशी जल्द ही फिल्म 365 में नजर आए अभिनेता मिशेल मोरोन के साथ हॉलीवुड में डेब्यू कर सकती हैं। इसके अलावा वह संपत नंदी की ब्लैक रोज और राम पोथिनेनी के साथ एक फिल्म में नजर आएंगी। वह रणदीप हुड्डा के साथ एक भी एक फिल्म का हिस्सा हैं। हाल ही में अभिनेत्री जेसन डेरुलो के साथ एक म्यूजिक वीडियो में काम किया है, जो भी जल्द ही रिलीज होने के लिए तैयार है।

ऐसा रहा फिल्मी सफर

उर्वशी के फिल्मी सफर की बात करें तो उन्होंने 2013 में सिंह साहब द ग्रेट से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वह भाग जॉनी, सनम रे, ग्रेट ग्रैंड मस्ती, पागलपंती, हेट स्टोरी 4, दिल है ग्रे सहित कई फिल्मों का हिस्सा रहीं। बता दें कि उर्वशी इकलौती ऐसी भारतीय महिला हैं, जिन्होंने 2 बार मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया है। पहले वह 2012 में मिस यूनिवर्स बनीं तो 2015 में भी ताज उनके सिर सजा था।

करण जल्द 7 साल बाद निर्देशक के तौर पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से वापसी करने जा रहे हैं। 28 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।(आरएनएस)

भाजपा को अपनी रणनीति पर सोचना होगा

अजीत द्विवेदी,

कर्नाटक के चुनाव नतीजों की जैसी व्याख्या भाजपा कर रही है या कम से कम उसके प्रवक्ता टेलीविजन की बहसों और सोशल मीडिया के विमर्श में जिस तरह से इसका बचाव कर रहे हैं वह भाजपा के लिए आत्मघाती हो सकता है। यह सही है कि उसने अपना वोट नहीं गंवाया है। वह अपना पारंपरिक 36 फीसदी वोट बचाए रखने में कामयाब रही है। लेकिन उसे समझना होगा कि यह वोट उसकी जीत की गारंटी नहीं है। त्रिकोणात्मक चुनाव में इतने वोट पर चुनाव जीता जा सकता है लेकिन किसी भी राज्य में आमने सामने के चुनाव में यह आंकड़ा बहुत कम है। कर्नाटक की तीसरी पार्टी जेडीएस ने पांच फीसदी वोट गंवाए तो कांग्रेस को भाजपा से 7० सीट ज्यादा मिल गई। भाजपा और कांग्रेस में सात फीसदी वोट का अंतर है लेकिन कांग्रेस को उससे दोगुने से ज्यादा सीटें मिली हैं। इसलिए 36 फीसदी वोट मिलने के नाम पर हर रणनीति का बचाव करना ठीक नहीं है। भाजपा को इस चुनाव से सबक लेना होगा और राजनीतिक मुद्दों से लेकर संगठन तक में अब तक आजमाए जा चुके नुस्खों पर नए सिरे से विचार करना होगा।

मिसाल के तौर पर भाजपा का चुनाव जीतने का एक नुस्खा यह है कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदल दो, मंत्रियों को बदल दो, ज्यादा से ज्यादा विधायकों की टिकट काट दो और नए चेहरों को मैदान में उतारो। कुछ राज्यों में यह रणनीति कारगर रही है लेकिन यह कोई रामबाण नुस्खा नहीं है, जो हर जगह काम करेगा। उत्तराखंड और गुजरात में यह योजना सफल रही थी लेकिन कर्नाटक में यह रणनीति पिट गई। भाजपा ने उम्र के हवाले बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाया था। उसको लग रहा था कि येदियुरप्पा को हटाने से उनके ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से भाजपा को मुक्ति मिल जाएगी, एंटी इन्कम्बैंसी भी खत्म हो जाएगी और नया चेहरा होने से लोगों में उम्मीद बंधेंगी। इस रणनीति पर अमल करते हुए भाजपा को यह ध्यान रखना चाहिए था कि येदियुरप्पा की जगह जो चेहरा लाया जा रहा है वह कितना लोकप्रिय है। इसी तरह एंटी इन्कम्बैंसी कम करने के लिए विधायकों या पूर्व प्रत्याशियों की टिकट काटी गई और राज्य की 224 में से 72 सीटों पर नए चेहरे उतारे गए। इन 72 में से 62 नए चेहरे चुनाव हार गए हैं। जाहिर है सिर्फ चेहरा बदलना पर्याप्त नहीं है। नया चेहरा कितना दमदार है यह ज्यादा अहम है।

लेकिन भाजपा इस पर विचार इसलिए नहीं करती है क्योंकि उसे लगता है कि एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा ही काफी है, किसी दूसरे दमदार चेहरे की जरूरत नहीं है। इस सोच की सीमाएं भी कर्नाटक में दिखाई दे गई हैं। प्रधानमंत्री का चेहरा दांव पर लगाने के बावजूद भाजपा वहां कुछ नहीं कर पाई। प्रधानमंत्री का चेहरा भाजपा के काम नहीं आया क्योंकि स्थानीय स्तर पर जो चेहरे थे लोग उनसे नाराज थे। मोदी के चेहरे पर चुनाव लडने और जीतने के भरोसे में भाजपा ने अपने कई मजबूत नेताओं को किनारे किए, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ी। उनको अपना मुख्यमंत्री चुनना था, जबकि प्रचार गुजरात और उत्तर प्रदेश के नेताओं के चेहरे पर हो रहा था। कर्नाटक जैसे भाषायी अस्मिता वाले राज्य की संवेदनशीलता का जरा भी ध्यान रखा गया होता तो राष्ट्रीय और प्रादेशिक नेताओं के चेहरों का एक संतुलन बनाने का प्रयास होता। भाजपा को समझना होगा कि निराकार चेहरों को आगे करके हर जगह मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जा सकता है।

इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डबल इंजन की सरकार का एक नैरेटिव बनाया है। सोचें, देश में दशकों तक केंद्र और राज्यों में कांग्रेस की ही सरकारें होती थीं लेकिन तब किसी ने विकास के लिए दोनों जगह एक ही पार्टी की सरकार होने यानी डबल इंजन की सरकार की जरूरत नहीं बताई। लेकिन अब हर जगह डबल इंजन की सरकार की जरूरत बताई जाती है। इसके अगर कुछ फायदे हैं तो नुकसान भी है। डबल इंजन की सरकार डबल एंटी इन्कम्बैंसी भी लाती है। उसकी विफलताएं भी दोहरी हो जाती हैं। लोगों का काम नहीं होता है या उनकी मुश्किलें बढ़ती हैं तो उनकी नाराजगी भी दोहरी होती है। वे डबल इंजन की सरकार को डबल फेल यानी दोगुना अक्षम मानने को मजबूर होते हैं। इससे उनका गुस्सा भी डबल होता है और वे दोहरे जोश के साथ नया विकल्प आजमाते हैं। कम से कम कर्नाटक में तो यही देखने को मिला है।

कर्नाटक नतीजों के बाद भाजपा को अपने चुनावी एजेंडे के बारे में भी गंभीरता से सोचना होगा। उसे समझना होगा कि हिंदुत्व या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कराने वाले एजेंडे की भी एक सीमा होती है या उसकी भी एक्सपायरी डेट होती है। हर जगह और हर समय यह एजेंडा नहीं चल सकता है। हो सकता है कि सांप्रदायिक रूप से बहुत संवेदनशील राज्यों में या उत्तर, पश्चिम भारत के राज्यों में यह एजेंडा चले क्योंकि लंबे समय तक मंदिर-मस्जिद और जाति की राजनीति की वजह से इन राज्यों के नौजवानों अपनी आकांक्षाएं गवां चुके हैं या उनकी कोई आकांक्षा कभी पनपी ही नहीं है। लेकिन कर्नाटक जैसे आकांक्षी राज्य में, जिसकी राजधानी बेंगलुरू एक समय एशिया के सिलिकॉन वैली की तरह उभरी थी वहां हिजाब पर पाबंदी, हलाल मीट का विरोध, टीपू सुल्तान को किसने मारा की बहस, लव जिहाद की बहस, बजरंग दल का बचाव करना जैसे मुद्दों पर चुनाव लडना कोई समझदारी की बात नहीं थी। यह तो कर्नाटक की बात है लेकिन दूसरे राज्यों में भी विभाजनकारी मुद्दे सोच समझ कर उठाने होंगे। एक समय के बाद रोजी रोटी का मसला इन मुद्दों को दबा सकता है।

भाजपा को बड़ी गंभीरता से इस बात पर सोचना होगा कि भ्रष्टाचार पर सिर्फबात करने से काम नहीं चलेगा और सिर्फविपक्षी पार्टियों के नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों से छापे मरवा कर उनको भ्रष्ट साबित करने की रणनीति भी हर समय कारगर नहीं हो सकती है। इस तरह की राजनीति की भी सीमा है। अति की हर जगह वर्जना बताई गई है। कर्नाटक में भाजपा की सरकार के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने राजनीति से निरपेक्ष लोगों के मुंह से 4० फीसदी कमीशन मांगे जाने के आरोप सुने और उन पर भरोसा किया। लोगों ने देखा कि भाजपा विधायक के यहां से आठ करोड़ रुपए नकद पकड़े गए। विधायक के बेटे को रिश्वत मांगने के आरोप में पकड़ा गया। लोगों ने यह भी देखा था कि च्ऑपरेशन कमलज् के तहत कैसे कांग्रेस के विधायकों को तोड़ा गया। क्या लोग नहीं समझते हैं कि टूटने वाले विधायकों को किसी न किसी तरह का लालच दिया जाता है? यह भी तो भ्रष्टाचार का एक रूप है! यह अनैतिक भी है और भ्रष्ट आचरण भी है। इसके अत्यधिक प्रयोग ने भाजपा की छवि को प्रभावित किया है। लोगों को यह सोचने के लिए मजबूर किया है कि ऐसे काम कर तो भाजपा रही है लेकिन कार्रवाई विपक्षी नेताओं के खिलाफ हो रही है।

प्रचार और पैसा चुनाव लडने का टूल्स हैं, सिर्फइनके दम पर भी चुनाव नहीं जीता जा सकता है। भाजपा को यह भी ध्यान में रखना होगा। अगर लोग प्रादेशिक सरकारों के कामकाज से नाराज हैं तो केंद्रीय सरकार के वादे से वह नाराजगी खत्म नहीं हो सकती है। पैसे और प्रचार के दम पर लोगों को चाहे जो भी समझाने का प्रयास हो, उससे नाराजगी दूर नहीं होती है। कर्नाटक में लोग सरकार के कामकाज से नाराज थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हो सकता है कि उनकी नाराजगी नहीं हो लेकिन वे जानते थे कि मोदी को मुख्यमंत्री नहीं बनना है। इसलिए प्रधानमंत्री के इतने सघन प्रचार और भावनात्मक अपील पर भी लोगों ने ध्यान नहीं दिया। सो, भाजपा के लिए एक बड़ा सबक यह है कि वह राज्यों में सरकारों को अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करे। इस भरोसे में न रहे कि आखिरी दौर में मोदी आएंगे और सब कुछ बदल देंगे।

सू- दोकू क्र.029

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 28 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

चीन की नापाक हरकतें

अजय दीक्षित

यह चीन की परेशानी का ही नतीजा है कि भारतीय नौसेना के आसियान देशों के साथ दक्षिण चीन सागर में हुए युद्धाभ्यास की वह बड़े पैमाने पर निगरानी करता रहा। उल्लेखनीय है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के निरंकुश व्यवहार पर अंकुश लगाने के लिये गत सात व आठ मई को दक्षिण चीन सागर में भारत ने आसियान देशों की नौसेनाओं के साथ युद्ध अभ्यास किया। जिसमें भारतीय नौसेना के अलावा आसियान देश फिलीपींस, इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, ब्रुनेई और वियतनाम की नौसेनाएं शामिल हुई थीं। बताया जाता है कि चीन न केवल फाइटर जेट व खुफिया वॉरशिप से जासूसी कर रहा था बल्कि चीनी समुद्री मिलिशिया जहाज भी युद्धाभ्यास की जगह से करीब पचास किलोमीटर की दूरी पर देखे गये। दुनिया को भरमाने के लिये यूं तो चीन ने मिलिशिया जहाजों को व्यापारिक जहाजों के रूप में पंजीकृत कर रखा है, लेकिन असल में ये पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की नेवी विंग के इशारे पर समुद्र में अपनी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। उल्लेखनीय है कि जिस तरह चीन दक्षिण एशिया में छोटे देशों के साथ मिलकर भारत की घेराबंदी करता रहा है, उसी की तर्ज पर भारत भी आसियान देशों के साथ मिलकर रणनीतिक साझेदारी को मूर्त रूप दे रहा है। जिससे परेशान होकर चीन युद्धाभ्यास की निगरानी कर रहा था। हालांकि, चीनी युद्धपोत अभ्यास स्थल के ज्यादा करीब नहीं आये, जिसके चलते किसी टकराव की आशंका टल गई। खबरों के मुताबिक, चीनी युद्धक जहाज व एयरक्राफ्ट दक्षिण चीन सागर में मौजूद थे। दरअसल, हाल के दिनों में हिंद प्रशांत व चीन सागर में चीन की आक्रामक गतिविधियां तेज हुई हैं। इतना ही नहीं, तमाम आसियान देशों से समुद्री सीमा को लेकर उसका विवाद चल रहा है। यहां तक कि फिलीपींस चीन के खिलाफ समुद्री सीमा विवाद के मामले में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय गया और अपनी संप्रभुता को लेकर मुकदमा जीता भी । इसके अलावा वियतनाम आदि कई पड़ोसी देशों से चीन का सीमा विवाद बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि वियतनाम के विशिष्ट आर्थिक जोन में इस ड्रिल को अंजाम दिया गया। हालांकि, चीन के किसी हस्तक्षेप को टालने के लिये चीनी जहाजों पर सतर्कतापूर्वक नजर रखी जा रही थी। इससे पूर्व भारत के गाइडेड मिसाइल विध्वंसक लैस आईएनएस दिल्ली और स्टील्थ फिगेट आईएनएस सतपुड़ा ने भी अभ्यास में भागीदारी सिंगापुर के नौसैनिक अड्डे पर की थी। बहरहाल, भारत ने कूटनीतिक बढ़त लेने के इरादे से उन देशों से करीबी संबंध बनाये हैं, जिनके चीन के साथ रिश्ते। खराब चल रहे हैं। इतना ही नहीं, कई देशों के साथ युद्ध से जुड़े अभ्यास कार्यक्रम भी चलाये गये हैं। जिसका मकसद युद्धक विमानों तथा पनडुब्बियों का कुशल संचालन करना है। यहां तक कि भारत कई आसियान देशों को हथियार भी बेचने लगा है।

पिछले दिनों फिलीपींस के साथ भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों से जुड़े सिस्टम का सौदा किया था। फिलीपींस के साथ यह सौदा 375 मिलियन डॉलर का बताया जाता है। ऐसा ही सौदा वियतनाम व इंडोनेशिया के साथ भी होने की उम्मीद है। भारत ने चीन के साथ सीमा विवाद के चलते सुरक्षात्मक रणनीति के तहत आसियान देशों के साथ करीबी रिश्ते स्थापित किये हैं। दरअसल, आसियान देशों के साथ इस समुद्री युद्धाभ्यास का मकसद उन टकरावों को टालना था, जिनके अचानक समुद्र में घटने की आशंका रहती है।

इसके जरिये आपसी भरोसे को बढ़ाने तथा दुर्घटनाओं की आशंकाओं को कम करना भी था। ऐसा चीन द्वारा लगातार विवादों को हवा देने के चलते अपरिहार्य हो गया था। भारत की सीमाओं का अतिक्रमण करने की कोशिशों में लगे चीन को अहसास कराना भी जरूरी था कि हम भी उसके खिलाफ दूसरे मोर्चे तैयार कर सकते हैं ।

केदारनाथ धामः तीर्थयात्रियों ने की यहां की व्यवस्थाओं की सराहना

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं ने जिला प्रशासन एवं सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के लिए सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया है। केदारनाथ धाम के दर्शन करने आए हैदराबाद के अभिषेक ने कहा कि बहुत अधिक ऊंचाई पर स्थित होने के बावजूद भी केदारनाथ धाम में काफी अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें पुलिस द्वारा काफी सहयोग मिला है। साथ ही स्थानीय लोग भी बहुत अच्छे हैं। तीर्थ यात्रियों के साथ किसी भी तरह की धोखाधड़ी नहीं होती है। उन्हें यहां आकर बहुत ही अच्छा लगा। महाराष्ट्र के तीर्थ यात्रियों ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें श्री केदारनाथ धाम में सभी सुविधाएं बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि यहां के स्थानीय लोगों व नगर पंचायत द्वारा यात्रा में उन्हें काफी सहयोग मिला। सुमित पाटिल ने केदारनाथ धाम में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों व जिला प्रशासन की सराहना की है। उन्होंने बताया कि यहां पर पेयजल व अन्य व्यवस्थाएं अच्छी हैं। यहां पर बहुत अच्छी तरह से केदारनाथ के दर्शन करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर तैनात कार्मिकों व स्थानीय लोगों द्वारा काफी अच्छा सहयोग किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल से आए तीर्थयात्री अभिषेक गिरी ने केदारनाथ धाम में पहुंचने पर कहा कि यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी की गई हैं जिसमें साफ-सफाई व्यवस्था एवं मंदिर में प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं दुरस्त की गई हैं तथा निर्माण कार्य बड़े जोर शोर से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुनर्निर्माण कार्यों के होने से यहां सुविधाएं और बेहतर हो जाएंगी जिससे आने वाले समय में यहां आने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी। इसके लिए उन्होंने सरकार व जिला प्रशासन की सराहना की है।

शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार, पांच मोबाइल बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मोबाइल चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को चुराये गये पांच मोबाइल सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज आकिल पुत्र अलीशेर निवासी छतरपुर जिला शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश हाल निवासी सिडकुल हरिद्वार द्वारा सिडकुल थाने में तहरीर देकर बताया गया था कि उसके कमरे से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। मोबाइल चोर की तलाश में जुटी पुलिस द्वारा एक सूचना के बाद मात्र 12 घंटो के भीतर ही एक व्यक्ति को टेंपो स्टैण्ड रोशनाबाद से चोरी के मोबाइल व अन्य स्थानों से चुराये गये चार मोबाइल सहित गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपना नाम नाजिम पुत्र मुन्ने निवासी ग्राम खुदागंज थाना खुदागंज जिला शाहजहांपुर उ.प्र. हाल पता रोशनाबाद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जी-20 एंटी-करप्शन वर्किंग ग्रुप मीटिंग का हुआ समापन

संवाददाता

नरेन्द्र नगर। जी-20 एंटी-करप्शन वर्किंग ग्रुप की बैठक का समापन हो गया। जिसमें भ्रष्टाचार से निपटने के लिए चर्चाएं हुई थी और कुछ निर्णय भी लिए गये। आज यहां जी-20 एंटी-करप्शन वर्किंग ग्रुप की दूसरी बैठक, जिसका उद्घाटन 25 मई को माननीय रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने किया था, आज टिहरी में संपन्न हुई। बैठक में 20 सदस्य देशों, 10 आमंत्रित देशों और यूएनओडीसी , ओईसीडी , एगमॉन्ट ग्रुप , इंटरपोल और आईएमएफ सहित 9 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 90 प्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी थी। मीटिंग की अध्यक्षता राहुल सिंह, अतिरिक्त सचिव, भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग और अध्यक्ष जी20 एंटी-करप्शन वर्किंग ग्रुप मीटिंग ने की। बैठक की सह-अध्यक्षता इटली के टास्क फोर्स के प्रमुख, जी20 एंटी-करप्शन वर्किंग ग्रुप मीटिंग के सह-अध्यक्ष जियोवन्नी टार्टाग्लिया पोलसिनी और इटली के ही पूर्णाधि कारी मंत्री, विदेश और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री फैब्रिजियो मारसेली ने की। पिछले तीन दिनों में, एसेट रिकवरी, भगोड़े आर्थिक अपराधियों, सूचना साझा करने के लिए सहयोग के औपचारिक और अनौपचारिक चौनलों, भ्रष्टाचार से निपटने के लिए संस्थागत ढांचे और आपसी कानूनी सहायता से संबंधित कई प्रमुख विषयों और क्षेत्रों पर गहन और उत्पादक विचार-विमर्श हुआ है। प्रतिनिधि यों ने बैठक में भ्रष्टाचार को रोकने और उससे मुकाबला करने के लिए तीन उच्च स्तरीय सिद्धांतों पर सहमति व्यक्त की।

नेहरू स्वतंत्र भारत के निर्माता व देश की धरोहरः गोगी

संवाददाता

देहरादून। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 59वी पुण्यतिथि में महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनको श्रद्धांजलि दी। महानगर अध्यक्ष जसविन्दर सिंह गोगी ने कहा कि नेहरू स्वतंत्र भारत के निर्माता के साथ ही देश की धरोहर भी हैं।

आज यहां स्वतंत्रता सेनानी और देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 59वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज कांग्रेस भवन में महानगर कांग्रेस के द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नेहरूजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। कांग्रेस भवन के कार्यक्रम के उपरान्त महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता पुरानी जेल परिसर स्थित नेहरू वार्ड भी गए जहां नेहरू बन्दी रखे गए थे। यहां पर उनकी मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित किये गए। सभी कार्यकर्ता कुछ समय के लिए नेहरू वार्ड में बैठे रहे और उनको याद किया। नेहरू जी को देहरादून शहर और इसकी आवोहवा से बहुत लगाव था।

महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी ने नेहरू जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि नेहरू जी न केवल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अमूल्य रत्न हैं, बल्कि पूरे देश की धरोहर हैं। आध ुनिक भारत की वैचारिक, वैधानिक, शासकीय, औद्योगिक, आर्थिक तथा लोकतांत्रिक आधारशिला रखने का कार्य मुख्यतः नेहरू जी ने ही किया, जो प्रारम्भ के 17 चुनौतीपूर्ण वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री रहे। इन वर्षों में यह तय हुआ कि देश किस दिशा में जायेगा, वह सफल राष्ट्र बनेगा या नहीं, या तार्किक वैज्ञानिक विचारों का अनुसरण करेगा या उन्माद और फिरकापरस्ती के रास्ते पर चलेगा। आधुनिक शिक्षा संस्थान, कारखाने, बांध, नहरें आदि बनाये।

इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री संगठन मथुरा दत्त जोशी, नवीन जोशी,महिला कांग्रेस अध्यक्ष उर्मिला थापा, विकास नेगी ,अभिषेक तिवारी, लकी राणा, मनोज, वीरेंद्र पंवार, नीरज त्यागी, शमीम मंसूरी, सलीम अंसारी आदि मौजूद थे।

अतिक्रमण हटाने के विरोध में कांग्रेसी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। चेतावनी का समय पूरा होने के बाद प्रशासन ने आज सुबह चिन्हित 205 अतिक्रमणों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान भारी संख्या में फोर्स तैनात किया गया था। प्रशासन के कार्रवाई शुरू करने पर विरोध करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तहसीलदार व प्रभारी निरीक्षक ने समझाने का भरसक प्रयास किया लेकिन उन्होंने एक न मानते हुए सरकार के विरुद्ध नारेबाजी शुरू करत मार्च निकलना शुरू कर दिया। जिस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए उन्हे गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि लोक निर्माण विभाग ने हल्द्वानी मार्ग पर सड़क किनारे पिछले 40 वर्षों से बसे 158 लोगों को नोटिस जारी कर हटने को कहा गया था। पिछले दो माह से नोटिस की कार्रवाई चल रही है। नोटिस का समय पूरा होने के बाद 25 मई को लोनिवि ने दो दिन का मौखिक समय दिया था। समय सीमा शुक्रवार को पूरी होने पर लोनिवि ने अपनी तैयारी पूरी कर ली।

वहीं लोनिवि के अभियान के लिए पुलिस ने भी कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही विरोध की संभावना के चलते अपनी तैयारी पूरी कर ली थी। जिसके चलते भारी फोर्स बाहर से मांगा गया था। वहीं, प्रशासन की तैयारी की भनक लगने पर अतिक्रमण की जद में आए लोग भी दिनभर अपनी दुकान व घरों का सामान समेटते दिखाई दिए। अधिकांश लोगों ने कीमती सामान सुरक्षित निकाल कर पहुंचा दिया है। वहीं दुकान में नाम का ही सामान रह गया।

विरोध करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद प्रशासन ने लोडर लगा कर निर्माण तोड़ना शुरू कर दिया। हालांकि व्यापारियों ने पहले ही दुकान से अपना सामान निकाल लिया था। जो कुछ बचा था वह भी स्वयं हटाने में लगे रहे। गिरफ्तार किए लोगों में पालिकाध्यक्ष दर्शन कोली, विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड़, राजेश प्रताप सिंह, गुलशन सिंधी, जगरूप सिंह गोल्डी आदि कई लोग शामिल हैं।

सड़क पर गिरा विशालकाय पेड़, फायर यूनिट ने हटाया

हमारे संवाददाता

चमोली। सड़क पर विशालकाय पेड़ गिर जाने से यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलने पर फायर यूनिट द्वारा मौके पर पहुंच कर पेड़ का हटाया गया जिससे यातायात सूचारू हो सका।

जानकारी के अनुसार आज सुबह फायर स्टेशन गोपेश्वर पर सूचना मिली कि मंडल चौकी से लगभग 4 किमी आगे चोपता मार्ग पर एक विशालकाय वृक्ष व दो अन्य छोटे वृक्ष रोड़ पर गिरे गये है, जिस कारण पूर्ण रूप से यातायात बाधित हो गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए फायर सर्विस तुरन्त घटनास्थल के लिए रवाना हुयी। यात्रा सीजन के दृष्टिगत लगभग 150 वाहन फंस गये थे, प्रभारी लीडिंग फायरमैन प्रदीप त्रिवेदी के नेतृत्व में फायर स्टेशन गोपेश्वर की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए वुड्न कटर उपकरणों की सहायता से सर्वप्रथम छोटे वृक्षों को काट कर रोड़ से अलग किया गया। तत्पश्चात विशालकाय वृक्ष को भी वुडन कटर की सहायता से काटना प्रारम्भ किया, विशालकाय वृक्ष होने के कारण पेड़ को काटने में अत्याधिक कठिनाई आ रही थी। लगभग 4 घण्टे के अथक प्रयास से फायर सर्विस यूनिट द्वारा कडी मेहनत व सूझबूझ से वृक्ष को काटकर रोड़ से अलग किया गया तथा यातायात को सुचारू रूप से चालू किया गया। फायर सर्विस यूनिट के इस साहसिक कार्य की यात्रियों द्वारा सराहना व भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी है।

एक नजर

बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर बोलीं- 'अनाथालय से बच्चे गोद न लें हिन्दू'

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से सांसद और हमेशा अपने विवादित और कट्टरवादी विचारधारा के लिए पहचानी जाने वाली बीजेपी नेता साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने एक बार फिर से सनसनी फैलाने का काम किया है। भोपाल में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कई मुद्दों पर खुलकर अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने हिन्दुओं को देश की सुरक्षा पर ध्यान देने की बात कही। प्रज्ञा ठाकुर

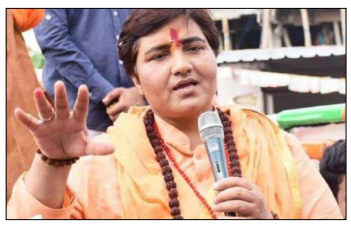

ने हिन्दुओं के कम संतानें पैदा करने पर भी कड़ी आपत्ति दर्ज की। उन्होंने कहा कि हिन्दू कम संतानें पैदा कर रहा है। ऊपर से अनाथ आश्रम से बच्चे लाकर अपने आप को माता-पिता कहलाने का सौभाग्य प्राप्त करता है। मैं इसका विरोध करती हूं। यह गतिविधि राष्ट्रहित में नहीं है। प्रज्ञा ठाकुर ने आगे कहा कि हमारे देश में रोहिंग्या आए और उनकी संतानें विभिन्न रूपों में आईं। कई प्रकार के वेश बदलकर वह यहां रह रहे हैं और यहां आतंकवादी गतिविधियां, चोरी बदमाशी और गैरकानूनी गतिविधियां कर रहे हैं। उनकी संतानें कभी भी देशभक्त नहीं हो सकतीं। यह गारंटी है। इतना ही नहीं, प्रज्ञा ठाकुर ने अवैध रूप से चल रहे कई संगठनों पर भी सवालिया निशान खड़े किए हैं। साथ ही, उन्होंने मुगल शासकों का महिमामंडन करने वालों को आड़े हाथों लिया है। साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में संचालित अवैध मदरसों को तत्काल बंद करना चाहिए और अवैध मदरसों द्वारा हड़पी गई जमीन को खाली कराकर विकास के काम में लगाना चाहिए।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने दोबारा से इंदिरा कैंटीन की शुरुआत की

बेंगलुरु। कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने दोबारा से इंदिरा कैंटीन की शुरुआत कर दी है। चुनाव जीतने के बाद सीएम सिद्धारमैया ने पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वह बंद पड़ी इंदिरा कैंटीन को फिर से शुरू करेंगे। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कैंटीन को फिर से शुरू करने का वादा किया था। राज्य में पिछली कांग्रेस सरकार में कैंटीन शुरू की गई थी, लेकिन बीजेपी के दोबारा सत्ता में आने के बाद उसे बंद कर दिया गया था। कर्नाटक में

शुरू की गई इंदिरा कैंटीन गरीबों और वंचितों को काम दाम पर भोजन उपलब्ध कराती है। कैंटीन के मेन्यू में सिर्फ पांच रुपये में नाश्ता और दोपहर और रात का भोजन केवल 10 रुपये में दिया जाएगा। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में अपने चुनाव अभियान के दौरान सत्ता में वापस आने पर कैंटीन वापस लाने का वादा किया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जब राज्य में प्रचार करने गए थे तो उन्होंने कुछ फूड डिलीवरी स्टाफ से मुलाकात की थी। उस दौरान राहुल ने उनसे कैंटीन को फिर से शुरू करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा था कि गरीबों की जेब पर महंगाई का भार पड़ रहा है। जिसको लेकर राहुल ने कैंटीन फिर से शुरू करने का वादा किया था।

बृहत बेंगलुरु महानगर पालिके (बीबीएमपी) ने पोषण और मात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हुए नाश्ता, दोपहर और रात के खाने का मेन्यू तैयार किया है। संस्था ने कहा कि इंदिरा कैंटीन में मेनू को दैनिक रूप से बदल दिया जाएगा। जिसमें नाश्ते के लिए उपमा, केसरी बाथ, बिसिबेले बाथ, पोंगल और इडली सहित अन्य आइटम परोसे जाएंगे। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि 175 में से 163 इंदिरा कैंटीन पहले से ही चालू थीं।

अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटी स्कूल बस

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक स्कूल बस के अनियत्रिंत हो जाने से बस सड़क पर ही पलट गयी। हालांकि बस में बैठे सभी शिक्षकों को पुलिस द्वारा सकुशल बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह

श्यामपुर थाना क्षेत्रांतर्गत चिंडियापुर चौक पोस्ट के पास लखीमपुर खीरी से आई शिक्षक यात्रियों की बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस दौरान चिड़ियापुर पिकेट पर तैनात कॉन्स्टेबल जयदेव और पीआरडी बालकराम द्वारा तुरंत बस का पिछला शीशा तोड़कर शिक्षकों को सकुशल बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना में कुछ शिक्षकों को थोड़ी बहुत मामूली चोटें आई हैं जिनको प्राथमिक उपचार दिलाया जा रहा है। पुलिस के इस कार्य को बस में सवार समस्त शिक्षकों द्वारा धन्यवाद किया गया।

व्यापारियों ने दिया विधायक शैला रानी को सुझाव

रात में नहीं चलनी चाहिए केदार धाम यात्रा

विशेष संवाददाता

रूद्रप्रयाग। चार धाम यात्रा की शुरुआत से बिगड़े मौसम के कारण यात्रा में आ रही तरह तरह की दिक्कतों के मद्देनजर क्षेत्रीय व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने विधायक शैला रानी रावत को सुझाव दिया है कि केदार यात्रा को रात में नहीं चलाया जाना चाहिए।

विधायक शैला रानी के साथ सोनप्रयाग, सीतापुर तथा रुद्रप्रयाग और गौरीकुंड व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें केदार धाम यात्रा की व्यवस्थाओं और मौसम के कारण आने वाली दिक्कतों को लेकर चर्चा हुई। क्षेत्रीय व्यापारियों का कहना है कि बारिश और बर्फबारी के कारण यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। केदारघाटी में बारिश और बर्फबारी के कारण भीषण सर्दी का प्रकोप है वही पैदल मार्ग भी बारिश व बर्फबारी के कारण सुरक्षित नहीं माना जा रहा है। अब तक यहां कई लोगों की जानें जा चुकी हैं तथा कई दुर्घटनाएं हो चुकी है। इन व्यापारियों ने सुझाव दिया है कि रात के समय यात्रा

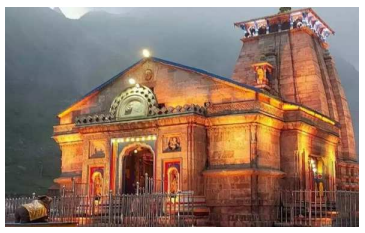

का संचालन सुरक्षा की दृष्टिकोण से ठीक नहीं है इसलिए केदार धाम यात्रा को रात में रोक दिया जाना चाहिए।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि धाम के चारों ओर बर्फ ही बर्फ है भले ही श्रद्धालुओं में आस्था का जनून उन्हें किसी भी मुश्किल का सामना करने को तत्पर कर रहा हूं लेकिन यह अत्यंत ही जोखिम भरा है। अभी बीते कल एक श्रद्धालु रास्ता भटक कर सुमेरु पर्वत के पास चला गया जहां वह बर्फ में फंस गया। गनीमत रही कि उसने अपने ग्लेशियर में फंसे होने की सूचना समय पर केदारनाथ पुलिस को दे दी और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर उसकी जान बचा ली। लेकिन एक बात साफ है कि केदार धाम जाने वाले यात्री अपनी जान हथेली पर रखकर ही यात्रा कर रहे हैं।

राज्य में फिर भारी बारिश व बर्फबारी होगी

देहरादून। मौसम विभाग द्वारा आज फिर अगले 24 घंटों में राज्य का मौसम खराब होने के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में इस दौरान देहरादून, हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों में भारी बारिश और 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी की संभावना जताते हुए यात्रियों को सतर्कता बरतने को कहा गया है।

खराब मौसम के कारण 31 मई तक रजिस्ट्रेशन पर तो रोक लगा ही दी गई इसके साथ ही अब तक कई बार यात्रा रोकनी भी पड़ी है।

खराब मौसम की मार सिर्फ केदार धाम यात्रा पर ही नहीं पड़ रही है। हेमकुंड साहिब यात्रा को शुरू होने के तुरंत बाद रोकना पड़ा है। अभी रास्ता खुला भी नहीं है कि मौसम फिर बिगड़ता दिख रहा है यही हाल बद्रीनाथ और यमुनोत्री और गंगोत्री धामों का भी है।

चारधाम यात्रा में अभी तक 15 लाख श्रद्धालुओं ने किये दर्शन

संवाददाता

देहरादून। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि अभी तक चारधाम यात्रा में 15 लाख श्रद्धालु दर्शन कर अपने गंतव्य को लौट गये हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा में 55 साल के पुलिस कर्मियों की डयूटी ना लगाने के लिए सभी जनपद प्रभारियों को निर्देश दिये जा चुके हैं।

●55 साल के पुलिस कर्मियों की यात्रा में नहीं लगेगी ड्यूटी

आज यहां अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने बताया कि चारधाम यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं के सगुम दर्शन और सुरक्षित चारधाम यात्रा के लिए उत्तराखण्ड पुलिस के जवान समर्पित हैं। अभी तक 15 लाख से अधिक (गंगोत्री में 3,12,422, यमुनोत्री में 2,82,857, केदारनाथ में 5,37,065, बदरीनाथ में 4,39,782, हेमकुण्ड साहिब में 8,551) श्रद्धालु चारधाम दर्शन कर अपने गनतव्यों को प्रस्थान कर चुके हैं। हाईएल्टीट्यूड, विपरीत परिस्थितियों, लम्बी ड्यूटी और पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य को देखते हुए 55 वर्ष से अधिक उम्र के पुलिसकर्मियों की चारधाम ड्यूटी नहीं लगाने हेतु समस्त जनपद प्रभारियों का निर्देशित किया है।

पर्यटक सुविधाएं बढ़ाने में मदद करें केंद्र सरकार: धामी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज अपने दिल्ली दौरे के दूसरे दिन नीति आयोग की बैठक में भाग लिया तथा राज्य में चल रही विकास परियोजनाओं खासकर केंद्रीय परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री और नीति आयोग के सहयोग पर आभार व्यक्त किया।

प्रगति मैदान में आयोजित होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं तथा इसमें सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा भाग लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बैठक में राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाओं के बीच पर्यटक जन सुविधाएं बढ़ाने की बात कही। उनका कहना है कि जितनी राज्य की आबादी है उससे भी अधिक संख्या में यहां पर्यटक आते हैं जिन्हें जन सुविधाएं उपलब्ध कराना और बेहतर जन सुविधाएं देना राज्य का कर्तव्य है। लेकिन अभी राज्य में अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहां इन सुविधाओं का अभाव है कई क्षेत्रों में तो फोन कनेक्टिविटी तक नहीं है। सीएम ने कहा कि रोजगार के अवसरों के अभाव में पहाड़ से पलायन को रोकना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। वहीं राज्य के सीमा क्षेत्रों में अभी बहुत सारे विकास कार्य किए जाने की जरूरत है। जिन्हें केंद्रीय सहायता के बिना किया जाना संभव नहीं है क्योंकि राज्य के पास आय के संसाधनों का भारी अभाव है। कुछ खास विकास योजनाओं को लेकर सीएम धामी अलग से प्रधानमंत्री से

●नीति आयोग की बैठक में सीएम ने विकास योजनाओं का खींचा खाका

मुलाकात कर सकते हैं ऐसी भी चर्चाएं हैं। सीएम धामी कल नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे तथा कल ही उनके दून लौट आने का कार्यक्रम है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।